Regarding problems of tea growers in Alipurdwar

श्री मनोज तिग्गा **(**अलीपुरद्वारस**) :** सभापति महोदया, पश्चिम बंगाल के उत्तर बंगाल में जो चाय उद्योग हैं, उनकी अवस्था दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है । इसलिए उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वारस, जलपाईगुडी, दार्जिलिंग और उत्तर दिनाजपुर में जो चाय बागान हैं, वे वाम मोर्चा के 34 साल तथा टीएमसी के 14 साल की उदासीनता के कारण एक के बाद एक बंद होते जा रहे हैं और वहां के जो श्रमिक हैं, वे पलायन के लिए बाध्य हो रहे हैं, क्योंकि चाय उद्योग में ज्यादातर आदिवासी और गोरखा हैं । वे चाय बागान बंद होने के कारण वहां से पलायन कर रहे हैं । उन्हें काम करने के बावजूद समय पर वेतन नहीं मिलता है । यहां तक कि उनका पीएफ का पैसा काटा जाता है, लेकिन मालिक पक्ष पीएफ का पैसा जमा नहीं करते हैं और वे गबन कर जाते हैं । उस जगह को शिक्षा, पीने का पानी, आवास, जमीन का मालिकाना अधिकार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है ।

यहां तक कि वहां पर बागान बंद होने के कारण तथा समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण मानव तस्करी जैसी घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं । इसलिए मैं आपके माध्यम से इस सदन को अवगत करवाना चाहता हूँ और केन्द्र सरकार से हस्तक्षेप कर चाय बागानों की हालत सुधारने के लिए आग्रह करता हूँ ।

14.00 hrs